दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

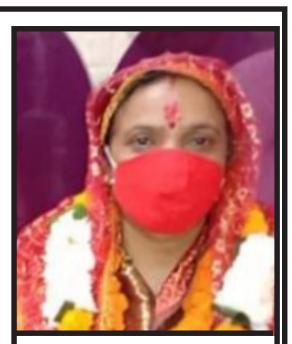

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

UTTHIN/2022/85670

डाक सं० UA/DO/DON/02/2024-2026

वर्ष : 04 | अंक : 37 | हरिद्वार | शनिवार, 4 अक्टूबर, 2025 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 4

मुख्यमंत्री ने किया शहरी विकास की योजनाओं का लोकार्पण

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्य सेवक सदन में शहरी विकास से जुड़ी कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के 52 नगर निकायों में 115 अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर की शुरुआत की गई। इसके साथ ही फेरी व्यवसायियों के पंजीकरण का वृहत अभियान एवं अंगीकार 2.0 को भी लॉन्च किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत बी.एल.सी. घटक से नवनिर्मित 15 हजार 6 सौ आवासों का लोकार्पण भी किया गया। सीएम द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नगर निकायों को अटल निर्मल नगर पुरस्कार प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने रुद्रपुर नगर निगम को प्रथम, पिथौरागढ़ नगर निगम को द्वितीय तथा कोटद्वार नगर निगम को तृतीय अटल निर्मल नगर पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया। इसके साथ ही मसूरी नगर पालिका परिषद को प्रथम, डोईवाला नगर पालिका परिषद को द्वितीय तथा भीमताल को तृतीय अटल निर्मल नगर

पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने लालकुआं नगर पंचायत को प्रथम, गुलरभोज नगर पंचायत को द्वितीय तथा भिकियासैंण नगर पंचायत को तृतीय अटल निर्मल नगर पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया। उन्होंने छावनी परिषद लैंसडौन को प्रथम, रानीखेत को द्वितीय तथा रुड़की छावनी परिषद को तृतीय अटल निर्मल नगर पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शहरी निकायों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु 244 नए वाहनों को राज्य को समर्पित किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इन योजनाओं से शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य, स्वच्छता और आवास की दिशा में ठोस सुधार होंगे और आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं से प्रदेश के नगर निकायों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, शहरी गरीबों को आवास उपलब्ध कराने, फेरी व्यवसायियों को संगठित कर उन्हें आजीविका से जोड़ने तथा स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इन पहलों से उत्तराखण्ड के नगर निकाय देश के लिए आदर्श प्रस्तुत करेंगे और स्वच्छता सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी ये सभी नवीन पहलें न केवल राज्य के नगरीय क्षेत्रों को और अधिक स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाने में सहायक सिद्ध होंगी, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से आज देश के लाखों शहरों, कस्बों और नगरों में साफ-सफाई की एक नई संस्कृति विकसित हुई है। अमृत योजना के द्वारा शहरी बुनियादी ढांचे जैसे जल आपूर्ति, सीवरेज और हरित स्थानों को सशक्त किया गया है। स्मार्ट सिटी मिशन द्वारा शहरी विकास को तकनीक और नागरिक सुविधा के साथ जोड़ते हुए एक आदर्श नगर विकास का मॉडल प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लाखों गरीब परिवारों को अपने स्वयं के पक्के घर प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और सहयोग से हमारी राज्य सरकार भी उत्तराखंड के विकास को एक नई दिशा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रत्येक नगर में ठोस कचरा प्रबंधन और सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। आज राज्य में स्मार्ट सिटी मिशन, पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत मिशन जैसी विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उत्तराखंड के प्रत्येक नागरिक को देने का प्रयास किया गया है। युवाओं के प्रकरण पर बोले सीएम - युवाओं के हित में मैं सर झुका भी सकता हूं और खुद को मिटा भी सकता हूं सीएम धामी ने स्पष्ट किया कि हाल ही में एक नकल का मामले की जानकारी मिलते ही सरकार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया और पूरी परीक्षा की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया।

जीवन का दर्शन है योग: डा. विकास गैरोला

ऋषिकेश। हेमवती नंदन बहुगुणा केंद्रीय गढ़वाल विवि की ओर से बुधवार को ओंकारानंद इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज में योगासन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें विवि से संबंद्ध विभिन्न कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के परिणाम दो दिन बाद घोषित किए जाएंगे। प्रतियोगिता का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. विकास गैरोला ने किया। उन्होंने कहा कि योग केवल प्रतियोगिता नहीं बल्कि जीवन का दर्शन है। विद्यार्थियों ने जिस अनुशासन और उत्साह के साथ ग्रुप और सिंगल आसनों में प्रदर्शन किया, वह प्रशंसनीय है। मुझे विश्वास है कि ये खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर भी विवि का नाम रोशन करेंगे। एचएनबी विवि के सहायक निदेशक डॉ. मोहित सिंह बिष्ट ने कहा कि योग को जीवन शैली के रूप में अपनाने से ही युवा आत्मबल, एकाग्रता और सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी योग प्रतियोगिता के लिए योग्य प्रतिभागियों का चयन करना रहा। प्रतियोगिता में बिरला कैंपस श्रीनगर, डीएवी पीजी कॉलेज देहरादून एवं ओंकारानंद इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में ग्रुप और सिंगल योग आसनों का प्रदर्शन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने कम्पल्सरी (अनिवार्य) और एडवांस आसनों को अत्यंत कुशलता और संतुलन के साथ प्रस्तुत किया। पुरुष वर्ग में चयनकर्ता के रूप में डॉ. विनोद नौटियाल तथा महिला वर्ग में डॉ. रजनी नौटियाल की निर्णायक भूमिका रही। मौके पर डॉ. संतोष डबराल, प्रमोद उनियाल, संस्थान के क्रीड़ा अध्यक्ष सनील रावत, दिनेश दीक्षित, सुजीत आदि उपस्थित रहे।

गुरुकृपा दर्पण (राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैंन, संवादाताओं की। सम्पर्क करें – 9410731129, 9548880101

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत हुआ राजभवन में वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

देहरादून। राजभवन में बुधवार को ''स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार'' अभियान के अंतर्गत अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के लिए एक वृहद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में राजकीय दून मेडिकल कॉलेज से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने कुल 267 व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। स्वास्थ्य परीक्षण में नेत्र रोग, हृदय रोग, जनरल सर्जरी, मानसिक रोग, ईएनटी, त्वचा रोग, प्रसूति एवं स्त्री रोग, सामान्य चिकित्सा तथा ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ शामिल रहे। शिविर में ईसीजी, एक्स-रे सहित विभिन्न परीक्षण किए गए तथा चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक दवाइयां नि:शुल्क प्रदान की गईं। इस अवसर पर 1 लोगों ने रक्तदान भी किया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शिविर का निरीक्षण किया और चिकित्सकों से स्वास्थ्य परीक्षण की प्रक्रिया एवं

उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शिविर में आए लोगों से संवाद कर उनके अनुभव जाने और चिकित्सकीय व्यवस्था की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा शुरू किए गए इस अभियान से विशेषकर माताओं, बहनों और बेटियों को लाभ प्राप्त हो रहा है। वे घर-परिवार की जिम्मेदारियों में इतनी व्यस्त रहती हैं कि अक्सर अपने स्वास्थ्य की देखभाल नहीं कर पातीं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ही अच्छे जीवन की आधारशिला है। राजभवन परिवार का उत्तम स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है। जब हमारे कार्मिक और उनके परिजन स्वस्थ रहेंगे तभी वे पूरी क्षमता से अपने दायित्वों का निर्वहन कर पाएंगे। राज्यपाल ने शिविर में सेवाएं देने वाले चिकित्सकों एवं चिकित्सा स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके समर्पण से राजभवन परिवार को अत्यंत लाभ प्राप्त हुआ है।

सम्पादकीय

अमेरिका के बदलते सुर

सम्पादक – देवेन्द्र जौहरी

अप्रैल में पहलगाम में आतंकी हमले में छब्बीस भारतीयों की मौत का बदला लेने के लिए मई में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर किया था जिसमें भारतीय सेना ने पीओके में घुसकर आतंकवादियों के शिविरों में हमला कर सौ से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था। उसके बाद से ट्रंप लगातार दावा कर रहे हैं कि उनकी पहल के चलते ही संघर्ष विराम संभव हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति खुद को शांति के नोबल पुरस्कार का दावेदार बता कर विश्व शांति का मसीहा बनने का जबरदस्त प्रयास कर रहे हैं। हास्यास्पद होने व विभिन्न विद्वानों द्वारा संदेह व्यक्त किए जाने के बावजूद ट्रंप व उनके चापलूस करीबी दुनिया में जारी युद्धों को रोकने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला साबित करने में कोताही नहीं कर रहे। भारत विभिन्न मौकों में स्पष्ट कर चुका है कि कश्मीर के मुद्दे पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता कभी स्वीकार नहीं की जा सकती। अब जब अमेरिका की तरफ से टेरिफ वॉर चालू है, किसी अधिकारी द्वारा दबंगई न करने का स्पष्टीकरण देना रणनीति का हिस्सा होसकता है। व्यापार समझौतों को ढाल बना कर दोनों मुल्कों के दरम्यान दशकों से चले आ रहे सीमा विवाद के बीच अमेरिका का यह बयान कई सवालों को जन्म देता है।

हर की पौड़ी है हिंदू धर्म में है एक आध्यात्मिक धार्मिक पवित्र तीर्थ स्थल

हरिद्वार। हरिद्वार में हर की पौड़ी हिंदू धर्म में एक आध्यात्मिक पवित्र तीर्थ स्थल है जो गंगा के तट पर स्थित है। एक तरफ शिवालिक पर्वत माला बिल्व पर्वत और दूसरी तरफ नील पर्वत के मध्य गंगा के तट पर हर की पौड़ी धार्मिक उद्देश्यों के लिए पवित्र तीर्थ स्थल है। आज हरिद्वार सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्ध ऐसा तीर्थ स्थल है जो हर किसी को आकर्षित करता है। सुबह और शाम की गंगा आरती करने से जो भक्ति आनंद मिलता है वो हरिद्वार में आने वाले हर भक्त को आकर्षित करता है। वेद, पुराण, रामायण, महाभारत, श्रीमद् भागवतम, कल्याण और बहुत से धार्मिक ग्रन्थों में गंगा की महिमा का वर्णन मिलता है। सभी धार्मिक अनुष्ठान के लिए साधु, संत, महात्मा, ब्राह्मण और श्रेष्ठजन द्वारा गंगाजल की पवित्र जलधारा से शुद्धिकरण कर शुभारंभ किया जाता है। सप्त मोक्षदायिनी पुरिया में एक पूरी है यह पवित्र स्थल है। हर की पौड़ी की धार्मिक आस्था के चलते यहां लोग देश-विदेश से दर्शन करने, धार्मिक यात्रा और धार्मिक अनुष्ठान करने आते हैं। उत्तराखंड में बद्रीनाथ धाम, केदारनाथ धाम, गंगोत्री धाम, यमुनोत्री धाम धार्मिक तीर्थ स्थल और धार्मिक यात्रा में गंगा यमुना के उद्गम स्थलों के दर्शन करने के लिए प्रमुख द्वार हरिद्वार ही कहा जाता है। धार्मिक उत्सव या महा उत्सव, मकर संक्रांति, कावड़ यात्रा और कुंभ जैसे पारंपरिक सांस्कृतिक महापर्व या सभी पर्व में हर की पौड़ी के गंगा जल का विशेष महत्व है। लोग आस्था के साथ साथ अपनी संस्कृति से स्नेह करते है। प्राकृतिक प्रेमी और साधक दूर दूर से साधना करने, स्तुति करने आते है। पुरोहित समाज का कहना है कि गंगा की अविरल धारा भावपूर्ण श्रद्धाभाव से आए श्रद्धालुओं को पाप से मुक्त कर मन को शुद्ध करती है।

सीडीओ ने की ग्रामोत्थान रीप परियोजना के अभिनव उद्यमों की समीक्षा

हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) आकांक्षा कोण्डे की अध्यक्षता में आज ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के अंतर्गत संचालित इनोवेटिव सीबीओ (सामुदायिक आधारित संगठन) स्तरीय उद्यमों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का उद्देश्य परियोजना की अभिनव गतिविधियों को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करना तथा लाभार्थियों के समक्ष आ रही चुनौतियों पर समाधान हेतु विस्तृत चर्चा करना था। समीक्षा बैठक में नारसन विकासखंड से तीन इनोवेटिव गतिविधियों के लाभार्थी और उनके संबंधित सीएलएफ (क्लस्टर लेवल फेडरेशन) के पदाधिकारियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। लाभार्थियों ने अपनी गतिविधियों को संचालित करने में आने वाली समस्याओं, उनके निवारण के लिए सुझावों और भविष्य की वे-फॉरवर्ड रणनीति पर विस्तृत चर्चा की। सीडीओ महोदया के साथ, रेखीय विभाग के अधिकारीगण- जिनमें मुख्य उद्यान अधिकारी, डेयरी विभाग और डेप्युटी सीवीओ शामिल थे-ने भी प्रतिभाग किया । बैठक में ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के जिला परियोजना प्रबंधक श्री संजय सक्सेना, समस्त सहायक प्रबंधक, खंड विकास अधिकारी नारसन सुभाष सैनी तथा नारसन विकासखंड स्तरीय रीप और एनआरएलएम (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) की पूरी टीम ने भी प्रतिभाग किया। चर्चा के उपरांत, सीडीओआकांक्षा कोण्डे ने परियोजना की प्रगति को देखते हुए रेखीय विभाग के अधिकारियों को कहा कि सभी अधिकारी नारसन विकासखंड के इन इनोवेटिव उद्यमों का भौतिक भ्रमण करेंगे। इस भ्रमण के दौरान वे गतिविधियों के संचालन में आ रही समस्याओं और सुझावों को ध्यान में रखते हुए एक विस्तृत एवं तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार करेंगे।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को प्रस्तुत करता रामलीला मंच

हरिद्वारदेवसंस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज में विजयादशमी के अवसर पर आयोजित रामलीला मंचन और रावण दहन ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को प्रस्तुत करते इस भव्य आयोजन में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कलाकारों ने अपने सजीव अभिनय ने सभी का मन मोह लिया। अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुखद्वय डॉ प्रणव पण्ड्या व श्रद्धेया शैलदीदी ने अपने संदेश में कहा कि जिस प्रकार श्रीराम ने रावण का वध कर धर्म और संस्कृति की रक्षा की, उसी प्रकार हमें भी अपने भीतर की आसुरी प्रवृत्तियों का अंत करना चाहिए और दिव्यता का विकास करना चाहिए। रामलीला मंचन में दशरथ, राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान, रावण आदि पात्रों का अभिनय अत्यंत प्रभावशाली रहा। समापन पर ३० फीट ऊँचे रावण के साथ कुंभकरण एवं मेघनाथ के पुतलों का भी दहन किया गया, जिसे 'संस्कार एवं संस्कृति के विजय दिवस' के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में देसंविवि के छात्र-छात्राओं, देश-विदेश से पधारे अतिथियों एवं निकटवर्ती क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया था।

देवी स्वरूप कन्याओं का पूजन कर आशीर्वाद लिया

विकासनगर। शारदीय नवरात्र की नवमी पर बुधवार को नौ दिनों तक व्रत रखने के बाद श्रद्धालुओं ने घरों से लेकर मंदिरों और घरों में कन्या पूजन किया गया। लोगों ने पूरे विधि-विधान के साथ देवी स्वरूप कन्याओं का पूजन कर आशीर्वाद लिया। सुबह से ही घरों में कन्या पूजन की तैयारियां शुरू हो गई थीं। कन्याओं के पैर धोकर स्वागत किया गया। इसके बाद उन्हें टीका लगाकर उनकी आरती उतारी गई और प्रसाद दिया गया। इसके बाद कन्याओं को दक्षिणा देकर आशीर्वाद लेते हुए सौभाग्य की कामना की गई। पछुवादून के मंदिरों में भी कन्या पूजन किया गया। इस मौके पर अस्पताल रोड स्थित काली माता मंदिर, दुर्गा माता मंदिर भोजावाला के साथ दुर्गा मंदिर डाकपत्थर रोड, प्राचीन गणेश मंदिर में भी कन्या पूजन किया गया। यहां बड़ी संख्या में भक्तों ने देवी दर्शन के साथ कन्या पूजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने मां से घर में सुख शांति के लिए प्रार्थना की। सर्वाधिक भीड़ कालसी स्थिति काली माता मंदिर में रही। यहां मंगलवार रात से ही भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी थी। बुधवार को ब्रह्म मुहूर्त में जब तक आरती के बाद मंदिर के कपाट खुलते तब तक बड़ी संख्या में दर्शनार्थी परिसर के बाहर कतारबद्ध हो चुके थे।

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

अकल्पनीय हिंसा, उथल-पुथल गले नहीं उतरता

अवधेश कुमार

नेपाल में उथल-पुथल के बीच सुशीला कार्की ने अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। किंतु इसके पूर्व तीन दिनों में नेपाल जिस अकल्पनीय हिंसा, उथल-पुथल और हृदयविदारक घटनाओं से गुजरा उनने सबको डराया है। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के विरु द्ध जेन जी के बैनर से जारी विरोध प्रदर्शन कितने उग्र, हिंसक, अराजक और अनेक मायनों में आपराधिक भी हुए। लगता था जैसे उग्र भीड़ नेपाल की राजनीति और सत्ता से संबंधित हर चीज नष्ट करना चाहती हो। संसद भवन, प्रधानमंत्री आवास, राष्ट्रपति आवास और उच्चतम न्यायालय जला देना, मंत्रियों, पूर्व मंत्रियों, नेताओं को उनके घरों में घुस कर, सड़कों पर दौड़ा कर पीटना और महिलाओं को भी नहीं बख्शना किसी आंदोलन का पर्याय नहीं हो सकता। पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनाल की पत्नी को जलाया गया। शेर बहादुर देउबा की पत्नी विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा की पिटाई वाकई हृदयविदारक थी। लगता था जैसे भीड़ किसी भी नेता को नेपाल की धरती पर साक्षात सहन करने को ही तैयार नहीं थी। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के कारण ऐसा हिंसक विरोध गले नहीं उतरता। जरा सोचिए, 28 अगस्त को नेपाल सरकार ने 26 सोशल मीडिया साइट्स को प्रतिबंधित किया था, जिन्होंने वहां रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था और 3 सितम्बर को आंदोलन आरंभ हो गया। ठीक है कि सोशल मीडिया नई पीढ़ी और सक्रिय लोगों के जीवन में इतनी पैठ बना चुका है कि प्रतिबंध सामान्य तौर पर स्वीकार नहीं हो सकता। नेपाल में सोशल मीडिया के माध्यम से 12 अरब डॉलर माह से ज्यादा का कारोबार हो रहा है। नई पीढ़ी रील बनाने से लेकर अन्य वीडियो आदि से भारी कमाई कर रही है। सोशल मीडिया भुगतान का भी जरिया बन गया है। सरकार का कहना था कि सोशल मीडिया के माध्यम से देश की सुरक्षा को खतरा पहुंचाया जा रहा था, सांप्रदायिक घृणा भी फैलाई जा रही थी। इसलिए इनका नियमन जरूरी है। उच्चतम न्यायालय ने निबंधन की बात कही थी कि जिसे आधार बना कर सरकार ने प्रतिबंध ही लगा दिया था। उग्र विरोध को देखते हुए प्रतिबंध हटा लिया गया। केवल प्रतिबंध विरोध का कारण होता तो ऐसी स्थिति नहीं बनती। यह तो नहीं कह सकते कि नेपाल में असंतोष और विरोध के कारण नहीं थे। 2006 में माओवादियों के शांति समझौते के बाद 2008 में राजशाही के अंत के साथ शुरू संसदीय लोकतंत्र का प्रयोग नेपाल में अनेक विद्रूपताओं का शिकार हुआ। 17 वर्षो में 14 सरकारों के आने-जाने से बड़ा प्रमाण राजनीतिक अस्थिरता का क्या हो सकता है। ओली ने भारत विरोधी चीन के प्रति झुकाव रखने वाले अजीब किस्म के नेपाली राष्ट्रवाद को प्रचलित किया जिनसे उनके समर्थक-विरोधी, दोनों पैदा हुए। आप देखेंगे कि काफी समय से नेपाल में अलग-अलग किस्म के आंदोलन चलते रहे हैं, जिनमें नेपाल को फिर हिन्दू राष्ट्र घोषित करने तथा राजशाही की पूर्ण वापसी प्रमुख था। इनकी रैलियों में हजारों लोग आने लगे। ओली ने राजा ज्ञानेंद्र की गतिविधियों को रोकने की कोशिश की तथा आंदोलन में तोड़फोड़ के लिए उन पर 7 करोड़ 93 लाख का जुर्माना भी लगाया। उनकी सुरक्षा परिवर्तित कर दी गई। हाल में नेपाल में मुस्लिम तथा ईसाई समुदाय की बढ़ती आबादी के विरुद्ध भी असंतोष बढ़ा है। मुस्लिम आबादी तराई या मधेस क्षेत्र में है, और उसके कारण समाज में असहज स्थिति पैदा हुई है। इसके विरुद्ध भी छोटे-बड़े प्रदर्शन चलते रहे हैं। नेपाल वि का एकमात्र हिन्दू राष्ट्र था। 2008 की संविधान सभा सह संसद ने बिना घोषणा के हिन्दू राष्ट्र का अंत कर नेपाल को सेक्युलर देश घोषित किया। इसमें बालेंद्र शाह जैसे रैपर तथा सूदन गुरुंग जैसे एनजीओ संचालकों ने नई पीढ़ी को आकर्षित किया। बालेंद्र ने कांग्रेस और कम्युनिस्ट, दोनों को पराजित कर काठमांडू के मेयर का चुनाव जीता तथा 2023 में टाइम्स पत्रिका ने उन्हें वि के 100 प्रभावशाली व्यक्तियों में शामिल कर दिया। यह नेपाल के लोगों खासकर युवाओं की बदलती प्रवृत्ति का प्रमाण था कि स्थापित नेताओं की जगह ऐसे लोगों को प्रमुखता मिली। बेरोजगारी के कारण युवाओं का विदेश पलायन नेपाल के लिए आम बात थी। आज नेपाल के लोग दुनिया के अनेक कोनों में हैं, और वहां से प्रभावित हैं। राजनीति, सत्ता, अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, विदेश संबंध, नेताओं की स्थिति पर गहन विमर्श करते हैं तो वहां असंतोष और विद्रोह के आधार व्यापक थे एवं लोगों में वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था से उभर कर नई व्यवस्था स्थापित करने का भाव होना स्वाभाविक है। किंतु कई बार हम जल्दबाजी में घटनाओं की पृष्ठभूमि, उसके पीछे की सोच तथा इसके भयावह प्रभावों का आकलन नहीं कर पाते और अराजक विद्रोह को भी न्यायसंगत ठहरा देते हैं। नेपाल अकेला देश नहीं है, जहां राजनीति भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी हो। राजनीति में परिवारवाद या नेताओं के परिवारों का संपन्न और सुख-सुविधाओं से भरे जीवन जीने की स्थिति भी अनेक देशों में है। बेरोजगारी या आर्थिक समस्याओं का सामना अनेक देश कर रहे हैं। इस तरह की स्थिति इसके पूर्व दक्षिण एशिया में श्रीलंका तथा बांग्लादेश में पैदा हुई। बांग्लादेश की घटना के पीछे अमेरिका और पाकिस्तान की प्रमुख भूमिका थी। शेख हसीना के पलायन के बाद देखा गया कि 1971 के बांग्ला मुक्ति संघर्ष से जुड़े अवशेषों को नष्ट किया गया तथा देश को इस्लामी राज की दिशा में ले जाया गया। कट्टर इस्लामाबादी उग्रवादी समूहों ने आंदोलन को आरक्षण विरोध के बहाने खड़ा किया था। श्रीलंका में भी आप देखेंगे कि राजपक्षे परिवार के शासन के अंत के बाद उसके दिवालिया हो जाने, भुखमरी आदि बातें सामने नहीं आई। कहने का तात्पर्य इस तरह के विद्रोहों के पीछे ऐसी सोच, विचारधारा, योजना और तैयारी रही है, जिसकी ओर हमारा ध्यान नहीं जाता। आखिर, यह कैसा आंदोलन है कि बुजुर्ग नेताओं को पीटा जाए, महिलाओं तक को भी न छोड़ा जाए तथा संसद भवन से लेकर उच्चतम न्यायालय तक में आग लगा दी जाए? आज भी स्थिति यह है कि आप ऐसे कृत्यों का विरोध करें तो आपको उग्र प्रतिरोध का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान भारत के प्रति विरोध की भी अनेक घटनाएं सामने आई। साफ है कि नेपाल के घटनाक्रम के पीछे के कारणों की गहराई से पड़ताल करनी होगी। पूरे वि में विरोधों का जैसा चरित्र दिख रहा है, उसी क्रम में ही इसे देखा जाना चाहिए।

राष्ट्र जागरण की साधना के सौ वर्ष की यात्रा

हितानंद शर्मा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा वास्तव में राष्ट्र जागरण की ध्येय यात्रा है। वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर के मोहिते बाड़ा में रोपा गया राष्ट्र साधना का छोटा सा बीज आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। राष्ट्र प्रथम के एकनिष्ठ भाव के साथ किए जा रहे सतत और अनथक प्रयासों से संघ की पहचान आज विश्व के सबसे बड़े संगठन के रूप में बनी है। राष्ट्र, संस्कृति, धर्म एवं समाज के हित में सर्वस्व अर्पण कर देने वाले स्वयंसेवक भारत के पुनरुत्थान की साधना में निरंतर लगे हुए हैं। संघ शताब्दी वर्ष चरैवेति-चरैवेति के मंत्र के साथ बढ़ रहे वैचारिक अधिष्ठान का एक सोपान है। संघ के आद्य सरसंघचालक परम पूजनीय डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उद्देश्य भारत को स्वाधीन बनाने के साथ ही स्व-बोध की चेतना से युक्त एक संगठित समाज का निर्माण करना था। माँ भारती को परम वैभव पर आसीन करने की 100 वर्षों की यह यात्रा सरल नहीं रही। अनेक कठिनाइयों, विरोधों और बाधाओं को ही मार्ग बनाते हुए संघ ने भारत माता की सेवा में व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का कार्य सतत जारी रखा है। स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता के पश्चात संघ ने समाज को देश की सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य किया। स्वतंत्रता के पश्चात् भी जब देश में औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित और गुलाम पीढ़ी तैयार करने वाली मैकाले शिक्षा पद्धति जारी रखी गई तब संघ प्रेरणा से 1952 में %विद्या भारती' की स्थापना की गई, जो शिक्षा एवं संस्कार देने वाला आज विश्व का सबसे बड़ा अशासकीय शैक्षणिक संगठन है। युवाओं को राष्ट्रीय विचारों से जोड़ने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, श्रमिकों के हित में कार्य करने भारतीय मजदूर संघ, किसानों के लिए भारतीय किसान संघ, सेवा कार्यों के लिए सेवा भारती और संस्कार भारती आदि अनेक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से स्वयंसेवकों द्वारा स्थापित किए गए जो आज भी समाज में सक्रियता से कार्य कर रहे हैं। 1936 में स्थापित राष्ट्र सेविका समिति के साथ मिलकर संगठन ने महिलाओं की भूमिका को भी समान महत्व दिया है। आज विचार परिवार के प्रत्येक संगठन में महिला नेतृत्व की सशक्त उपस्थिति इसी दृष्टिकोण का परिणाम है। स्वतंत्रता के पश्चात् जब भारतीय राजनीति अपने मूल और दिशा से भटकने लगी, देश की संप्रभुता के लिए ही संकट उत्पन्न हो गया, तब पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की। भारतीय जनसंघ आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुआ। भारतीय जनता पार्टी वर्तमान में विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है। इसे एक ऐसे संगठन के रूप में भी समाज का सम्मान प्राप्त होता है, जिसने अपने गठन के समय से चले आ रहे लगभग सभी प्रमुख संकल्पों को पूर्ण करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति, अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण और भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना इसी विचारधारा के ऐतिहासिक कार्य हैं। संघ की सौ वर्ष की यात्रा कठिन चुनौतियों से भरी रही है। संघ अपने आरंभिक काल से ही अपनों के ही विरोध, आक्रमण, उपहास और अपमान सहकर भी इस अनवत यात्रा में आगे बढ़ा है। महात्मा गांधी की हत्या के मिथ्या आरोप, दो बार लगाए गए प्रतिबंध, आपातकाल की असहनीय यातनाएं और तमाम विरोधों के पश्चात भी संघ अपने संकल्पों पर दृढ़ रहा। इस साधना की यज्ञ वेदी में असंख्य स्वयंसेवक समिधा बन कर होम भी हुए हैं। स्वयंसेवकों की तपस्या और प्रचारकों के समर्पण ने संगठन को उस स्थिति तक पहुंचाया, जहां आज विश्वभर में लोग संघ को निकट से जानना और उससे जुड़ना चाहते हैं। भारत के गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास, संस्कृति, ज्ञान-परंपरा के संघरूपी वटवृक्ष की जड़ें गहरे तक समायी हुई हैं। संघ की शाखाएं संगठन का सबसे प्रबल पक्ष हैं। समाज में यह वाक्य प्रचलन में भी आ चुका है कि यदि संघ को समझना है तो शाखा में जाकर भलीभांति समझा जा सकता है। संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण की नर्सरी भी कही जाती हैं। शाखा के माध्यम से स्वयंसेवकों का शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक विकास होता है। खेल, गीत, अनुशासन और बौद्धिक कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें नेतृत्व, अनुशासन, बंधुत्व और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा मिलती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं के माध्यमम से समाज का ऐसा संगठन तैयार हुआ है कि देश में कहीं भी प्राकृतिक आपदाओं, मानवीय संकटों और विदेशी आक्रमणों, हर परिस्थिति में संघ के स्वयंसेवक सबसे पहले सेवा कार्य के लिए उपस्थित रहते हैं। गुजरात के भुज में आए भूकंप से लेकर हाल की भीषण बाढ़ की घटनाओं और कोरोना महामारी के दौरान भोजन, परिवहन, दवाइयों से लेकर पीड़ितों के अंतिम संस्कार तक की सेवाओं में स्वयंसेवकों ने निस्वार्थ भाव से अपना योगदान दिया। इससे पूर्व स्वतंत्रता संग्राम, गोवा मुक्ति आंदोलन, कश्मीर के भारत में विलय, चीन के आक्रमण जैसे ऐतिहासिक घटनाक्रमों में भी संघ की भूमिका उल्लेखनीय रही। शताब्दी वर्ष संघ की संकल्प यात्रा को और अधिक गति देने का अवसर है। संगठन %पंच परिवर्तन' के माध्यम से स्वदेशी, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्यों, सामाजिक समरसता और परिवार प्रबोधन जैसे विषयों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय है। शताब्दी वर्ष के इस महत्वपूर्ण एवं स्मरणीय अवसर पर संघ किसी भव्य आयोजन की बजाय प्रत्येक भारतीय नागरिक तक पहुंचकर उसे अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का बोध कराने का कार्य कर रहा है। संघ का कार्यकर्ता होना जीवन को राष्ट्र सेवा की दिशा में लगा देने की प्रक्रिया है। शाखा का संस्कार व्यक्ति में मातृभूमि के प्रति ऐसा असीम प्रेम जगा देता है कि वह निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित हो जाता है। स्वयंसेवक के लिए भारत माता की जय ही उसका परम ध्येय बन जाता है।

जनपद हरिद्वार में शहीद सम्मान यात्रा 2.० का हुआ शुभारम्भ

हरिद्वार। उत्तराखंड शासन के निर्देशों के अनुपालन में प्रदेश में शहीद सम्मान यात्रा 2.० का शुभारम्भ हुआ। विदित हो कि 25 सितम्बर 2025 से ०4 अक्टूबर 2025 तक किया जा रहा है। जनपद हरिद्वार के ०2 शहीदों के घर-आंगन की मि?ट्टी संग्रह का कार्यक्रम आज जिला सैनिक कल्याण एव पुनर्वास कार्यालय ज्वालापुर, तहसील हरिद्वार से प्रारम्भ किया गया। यात्रा शहीद हव० सोनित कुमार सैनी, जो दिनांक 11 अक्टूबर 2021 को अरुणांचल प्रदेश के ढुकुमपानी क्षेत्र में शहीद हुए थे, के ग्राम धनौरा, ब्लाक-रूड़की में पुहंची। समस्त ग्रामवासियों द्वारा शहीद सैनिक को श्रृद्धांजलि के पश्चात शहीद सैनिक की पत्नी श्रीमती गीता सैनी द्वारा घर-आंगन की मिटट्टी का ताम्र कलश जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को हस्तगत किया गया। तत्पश्चात् शहीद सम्मान यात्रा जनपद के द्वितीय शहीद नायक प्रदीप कुमार, जो कि दिनांक 27 अक्टूबर 2023 को सिक्किम क्षेत्र में शहीद हुए थे, के ग्राम गदरजुडा के लिये प्रस्थान किया, जहां पर नारसन ब्लाक प्रमुख कविन्द्र चौधरी, ग्राम प्रधान गदरजुडा भूपेन्द्र सिंह व समस्त ग्रामवासियों द्वारा स्वागत किया गया एवं शहीद सैनिक को श्रृद्धांजति के पश्चात शहीद सैनिक की पत्नी श्रीमती कविता चौधरी एंव परिवार के सदस्यों द्वारा घर-आंगन की मिटट्टी का ताम्र कलश जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को हस्तगत किया गया। इस दौरान जिला सैनिक कल्याण एंव पुनर्वास अधिकारी विंग कंमाडर डा० सरिता पवार ने बताया कि प्रदेश सरकार शहीदों के आंगन की मिट्टी से देहरादून के गुनियाल गांव में शौर्य स्थल (सैन्य धाम) का निर्माण कर रही है ताकि उनकी वीरगाथाएं आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेउन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा दिनांक ०5 अक्टूबर 2025 को 'गढ़वाल राईफल्स रेजीमेंट सेन्टर लैंसडौन में 'शहीद सम्मान समारोह' का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जनपद वीरनारियों सहित प्रदेश की समस्त वीरनारियों को मुख्य मंत्री द्वारा ताम्रपत्र भेंट कर सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि उक्त कार्यक्रम में जनपद हरिद्वार के वीर नारियों व उनके आश्रितों के प्रतिभाग करने हेतु फ्लैग आफ' कार्यक्रम कलैक्ट्रेट परिसर, रोशनाबाद में जिलाधिकारी द्वारा दिनांक ०4 अक्टूबर 2०25 को 11.3० बजे किया जायेगा। तदुपरान्त यात्रा का समापन जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, ज्वालापुर तहसील, हरिद्वार में सम्पन्न किया गया । शहीद सम्मान यात्रा का नेतृत्व जिला सैनिक कल्याण एंव पुनर्वास अधिकारी विंग कमांडर डा० सरिता पंवार (से.नि.) द्वारा किया गया। इस दौरान एन.सी.सी. के कैडेटस् सुश्री इशिका सिंह, अनन्या सिंह, मानसी चौहान एंव कसक, ग्राम प्रधान धनौरा श्रीमती शीला देवी, ब्लाक प्रतिनिधियों हव० किशन कुमार, हव० मेघराज, हव० अरविन्द कुमार, हव० सूरजपाल एंव हव० राजेश कुमार, बी.ई.जी. से सेवारत सैनिक नायब सूबे० प्रमोद कुमार, हव० गुरुप्रीत सिंह, हव जगमोहन, सूचना विभाग के प्रतिनिधि,पूर्व सैनिकों व आश्रितों सहित कार्यालय के सहायक अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद रहे।

ऋषिकेश में एटीएस सेंटर शुरू करने की मांग

ऋषिकेश। परिवहन व्यवसायियों ने विभाग से ऋषिकेश में जल्द एटीएस सेंटर शुरू करने की मांग की है। शुक्रवार को उन्होंने एआरटीओ ऋषिकेश को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर वह आंदोलन की चेतावनी दी। उधर, ऑल उत्तराखंड मोटर ट्रांसपोर्ट यूनियन के सदस्यों का धरना 19वें दिन भी जारी रहा। शुक्रवार को एआरटीओ ऋषिकेश को परिवहन व्यवसायियों ने बताया कि ऋषिकेश के वाहन चालकों को फिटनेस के लिए 25 किमी दूर लालतप्पड़ स्थित एक निजी सेंटर में भेजा जा रहा है। जबकि, ऋषिकेश में लाखों रुपयों की लागत से परिवहन विभाग ने एटीएस सेंटर बनाया है। इसके बावजूद अभी तक ऋषिकेश स्थित एटीएस सेंटर को शुरू नहीं किया जा रहा है। जिससे परिवहन व्यवसायियों में रोष है। उन्होंने कहा कि हम कोई विशेषाधिकार नहीं मांग रहे हैं। हम अपने अधिकारों की रक्षा और जनहित में पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। जब तक सरकार हमारी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लेती, यह आंदोलन जारी रहेगा।

शिक्षा मंत्री ने अंक सुधार परीक्षा में सफल छात्रों को दी बधाई

देहरादून। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने अंक सुधार परीक्षा में सफल छात्रों को बधाई दी। उन्होंने बोर्ड परीक्षाफल में सुधार पर भी खुशी जताई। मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के तहत बोर्ड परीक्षा में फेल हुए छात्रों को अपना रिजल्ट सुधारने का मौका दिया गया था और बड़ी संख्या में छात्र विभाग की अपेक्षाओं पर खरे उतरे हैं। डॉ. रावत ने बताया कि अंक सुधार परीक्षा के उपरांत हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा के कुल परीक्षाफल में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 की प्रथम परीक्षाफल सुधार परीक्षा के परिणाम के उपरांत हाईस्कूल की मुख्य परीक्षाफल में 4.4०फीसदी की वृद्धि हुई है। जिसके चलते हाईस्कूल का कुल परीक्षाफल 9०.77 से बढ़कर 95.17 फीसदी हो गया है। इसी तरह इंटरमीडिएट के कुल परीक्षाफल 6.3०फीसदी की वृद्धि हुई है। इससे इंटरमीडिएट का कुल परीक्षाफल 83.23 के सापेक्ष 89.53 फीसदी हो गया है। मंत्री ने बताया कि वर्ष 2024 की तृतीय अंक सुधार परीक्षा भी आयोजित की गई थी। इसमें हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम 65.79 और इंटरमीडिएट में 6०.48 फीसदी रहा। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड बोर्ड के 1०वीं और 12वीं में फेल छात्र-छात्राओं को पास होने के लिए तीन मौके दिए जा रहे हैं। वर्ष 2025 के छात्र-छात्राओं के लिए यह पहला मौका था जबकि वर्ष 2024 के छात्र-छात्राओं के लिये अंतिम मौका था। उन्होंने कहा कि इन परीक्षार्थियों ने कड़ी मेहनत और निरंतर लगन से यह सिद्ध कर दिया है कि संकल्प और आत्मविश्वास के बल पर सफलता प्राप्त की जा सकती है।

रुद्रपुर के प्रॉपर्टी डीलर से 5० लाख की साइबर ठगी

रुद्रपुर। शेयर ट्रेडिंग में मुनाफे के झांसे में आकर रुद्रपुर के प्रॉपर्टी डीलर ने करीब 5० लाख रुपये गंवा दिए। उसे एक फर्जी व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया, जो कथित रूप से शेयर ट्रेडिंग की जानकारी देता था। तहरीर के आधार पर साइबर क्राइम थाना पंतनगर ने अज्ञात ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, अरुण कुमार निवासी एलाइंस कॉलोनी रुद्रपुर प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि 22 जुलाई को उन्हें 'ब्रह्मा माइंड्स नामक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया। ग्रुप एडमिन सहान्वी जैन ने उन्हें कॉल कर शेयर ट्रेडिंग से जुड़ा एचएनडब्ल्यू प्रो डीमैट एप डाउनलोड करवाया और डीमैट खाता खोलने को कहा।

जूना अखाड़े की पवित्र छड़ी पहुंची श्यामपुर कांगड़ी स्थित श्रीमहंत प्रेम गिरी धाम

हरिद्वार। श्री पंच दश नाम जूना अखाड़े की पवित्र छड़ी यात्रा नगर भ्रमण के तहत आज श्यामपुर कांगड़ी स्थित श्रीमहंत प्रेम गिरी धाम पहुंची। हर हर महादेव के जय घोष के साथ पवित्र छड़ी के पहुंचने पर जूना अखाड़े के वरिष्ठ सभापति श्रीमहंत प्रेम गिरि महाराज, अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महंत रवींद्र पुरी महाराज, हिमालयन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्रीमहंत विरेंद्रानंद गिरी महाराज, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमहंत केदारपुरी महाराज, जूना अखाड़ा माई बाडा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमहंत अन्नपूर्णा पुरी, महामंत्री श्रीमहंत महेश पुरी, श्रीमहंत शैलेंद्र गिरी ,श्रीमहंत महाकाल गिरी के साथ साथ सैकड़ो ग्रामीणों व श्रद्धालुओं ने पवित्र छड़ी का पूर्ण विधि विधान के साथ पूजन किया। श्रीमहंत प्रेम गिरि महाराज ने बताया कि यह पवित्र छड़ी उत्तराखंड के सभी प्रमुख तीर्थ के अतिरिक्त ऐसे तीर्थ पर भी जाएगी जो कि अभी तक उपेक्षित अवस्था में है । इन तीर्थों के विकास, जीर्णोधार केलिए सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया जाएगा। उस क्षेत्र की पलायन की समस्या को देखते हुए पवित्र छड़ी पर्यटकों तीर्थ यात्रियों को आकर्षित करने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा गढ़वाल केदार खंड तथा कुमाऊं मानस खंड में कई ऐसे तीर्थ हैं जिनके प्रचार प्रसार से इस इन क्षेत्रों में विकास की बहुत अधिक संभावनाएं हैंइनमे मुख्य रूप से आदि बद्री ,भविष्य बद्री सीतामढ़ी, अनुसूया मंडल, गणनाथ महादेव, थल महादेव, कटारमल का सूर्य मंदिर, नौटी गांव का श्री यंत्र मंदिर प्रमुख है जो प्रचार न होने के कारण उपेक्षित हैं। पवित्र छड़ी के माध्यम से इन पौराणिक तीर्थ को पुनर्स्थापित कर तीर्थाटन तथा पर्यटन को बढ़ावा देने का उद्देश्य है। उन्होंने कहा इससे जहां उन क्षेत्रों का विकास होगा वहीं पलायन रुकने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। श्रीमहंत प्रेम गिरी महाराज ने कहा कल 3 अक्टूबर को पवित्र छड़ी हरिद्वार से उत्तराखंड की यात्रा के लिए विधिवत रवाना हो जाएगी। इस अवसर पर महामंडलेश्वर चरण श्रुति गिरी, महामंडलेश्वर आत्म वेदनानंद गिरी महामंडलेश्वर गर्व गिरी ,महामंडलेश्वर संजय गिरी पूर्व सचिव श्रीमहंत देवानंद सरस्वती, श्रीमहंत पशुपति गिरी,श्रीमहंत पूर्णागिरि ,श्रीमहंत आदित्य गिरी, महंत भीष्म गिरी, महंत आजाद गिरि महंत विमल गिरि, महंत रतन गिरी सहित सैकड़ों नागा संन्यासी उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
देवेन्द्र जौहरी द्वारा
साप्ताहिक समाचार पत्र
''गुरुकृपा दर्पण'' को
रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई-34,
ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं
एस-3, अशोक विहार कालोनी,
कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
से प्रकाशित।
सम्पादक: **देवेन्द्र जौहरी**
मो. – **9997331129**
E-mail :
gurukripadarpan@gmail.com